RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 205
दि. 26.11.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

धर्म ध्वजा केवल एक ध्वज नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर ध्वजारोहण उत्सव को संबोधित किया

आज सम्पूर्ण भारत, सम्पूर्ण विश्व राममय है: प्रधानमंत्री

अयोध्या वह भूमि है जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं: प्रधानमंत्री

राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की भी चेतना स्थली बन रहा है: प्रधानमंत्री

हमारे राम भेद से नहीं, बल्कि भाव से जुड़ते हैं: प्रधानमंत्री

हम एक जीवंत समाज हैं, हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा, हमें आने वाले दशकों, आने वाली सदियों को ध्यान में रखना ही होगा: प्रधानमंत्री

राम यानी आदर्श, राम यानी मर्यादा, राम यानी जीवन का सर्वोच्च चरित्र: प्रधानमंत्री

राम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, राम एक मूल्य हैं, एक मर्यादा हैं, एक दिशा हैं: प्रधानमंत्री

अगर भारत को वर्ष 2047 तक विकसित बनाना है, अगर समाज को सामर्थ्यवान बनाना है, तो हमें अपने भीतर "राम" को जगाना होगा: प्रधानमंत्री

देश को आगे बढ़ना है तो अपनी विरासत पर गर्व करना होगा: प्रधानमंत्री

हमें आने वाले दस वर्षों का लक्ष्य लेकर चलना है कि हम भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे: प्रधानमंत्री

भारत लोकतंत्र की जननी है, लोकतंत्र हमारे डीएनए में है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

राष्ट्र के सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पवित्र श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराया। ध्वजारोहण उत्सव मंदिर निर्माण के पूर्ण होने और सांस्कृतिक उत्सव एवं राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज अयोध्या नगरी भारत की सांस्कृतिक चेतना के एक और उत्कर्ष-बिंदु की साक्षी बन रही है। श्री मोदी ने कहा, "आज पूरा भारत और पूरा विश्व भगवान श्री राम की भावना से ओतप्रोत है।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक राम भक्त के हृदय में अद्वितीय संतोष, असीम कृतज्ञता और अपार दिव्य आनंद है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदियों पुराने घाव भर रहे हैं, सदियों का दर्द समाप्त हो रहा है और सदियों का संकल्प आज सिद्ध हो रहा है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि यह उस यज्ञ की परिणति है जिसकी अग्नि 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही, एक ऐसा यज्ञ जिसकी आस्था कभी डगमगाई नहीं, आस्था क्षण भर के लिए भी खंडित नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आज भगवान श्री राम के गर्भगृह की अनंत ऊर्जा और श्री राम परिवार की दिव्य महिमा, इस धर्म ध्वजा के रूप में, इस दिव्यतम एवं भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुई है।

श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "यह धर्म ध्वजा केवल एक ध्वज नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है।" उन्होंने बताया कि इसका केसरिया रंग, इस पर अंकित सूर्यवंश की महिमा, अंकित पवित्र ॐ और उत्कीर्ण कोविदार वृक्ष, रामराज्य की महानता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि यह ध्वज संकल्प है, यह ध्वज सिद्धि है, यह ध्वज संघर्ष से सृजन की गाथा है, यह ध्वज सदियों से संजोए गए स्वप्नों का साकार रूप है, और यह ध्वज संतों की तपस्या और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है।

यह घोषणा करते हुए कि आने वाली सदियों और सहस्राब्दियों तक, यह धर्म ध्वज भगवान राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि यह आह्वान करेगा कि विजय केवल सत्य की होती है, असत्य की नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उद्घोषणा करेगा कि सत्य स्वयं ब्रह्म का रूप है और सत्य में ही धर्म की स्थापना होती है। उन्होंने कहा कि यह धर्म ध्वज जो कहा गया है उसे अवश्य पूरा करने के संकल्प को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि यह संदेश देगा कि संसार में कर्म और कर्तव्य को ही प्रधानता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भेदभाव और पीड़ा से मुक्ति और समाज में शांति और सुख की उपस्थिति की कामना व्यक्त करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धर्म ध्वज हमें इस संकल्प के लिए प्रतिबद्ध करेगा कि हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां कोई गरीबी न हो और कोई भी दुखी या असहाय न हो।

श्री मोदी ने अपने धर्मग्रंथों का स्मरण करते हुए कहा कि जो लोग किसी भी कारण से मंदिर में नहीं आ पाते, लेकिन उसकी ध्वजा के आगे झुकते हैं, उन्हें भी समान पुण्य प्राप्त होता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धर्म ध्वजा मंदिर के उद्देश्य का प्रतीक है और दूर से ही यह रामलला की जन्मभूमि के दर्शन कराती रहेगी और युगों-युगों तक भगवान श्री राम के आदेशों और प्रेरणाओं को मानवता तक पहुंचाती रहेगी। उन्होंने इस अविस्मरणीय और अनूठे अवसर पर दुनिया भर के करोड़ों राम भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी भक्तों को नमन किया और राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले प्रत्येक दानदाता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने मंदिर निर्माण से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता, प्रत्येक कारीगर, प्रत्येक योजनाकार और प्रत्येक वास्तुकार को नमन किया।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, "अयोध्या वह भूमि है जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं।" उन्होंने कहा कि यही वह नगरी है जहां से श्री राम ने अपनी जीवन यात्रा शुरू की थी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अयोध्या ने दुनिया को दिखाया कि कैसे एक व्यक्ति, समाज और उसके मूल्यों की शक्ति से पुरुषोत्तम बनता है।

भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

(जीएनएस)।

भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के 76वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज (25 नवंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व संग्रह राष्ट्र निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी राजस्व से बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए धन जुटाया जाता है। इसलिए, राजस्व सेवा के अधिकारी राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि कर संग्रह एक सुचारू प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें करदाताओं को असुविधा न हो।

राष्ट्रपति ने कहा कि राजस्व सेवा के अधिकारी प्रशासक, जांचकर्ता, व्यापार सुगमकर्ता और कानून

प्रवर्तनकर्ता के रूप में अनेक भूमिकाएं निभाएंगे। ये अधिकारी भारत की आर्थिक सीमाओं के प्रहरी हैं जो तस्करी, वित्तीय धोखाधड़ी और अवैध व्यापार से देश की रक्षा करते हैं और साथ ही वैध वाणिज्य और वैश्विक व्यापार साझेदारियों को सुगम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की भूमिका, प्रवर्तन और सुगमता तथा कानून की रक्षा और आर्थिक विकास को सक्षम बनाने के बीच एक संतुलन की मांग करती है। उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शी, जवाबदेह और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियां विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों में ईमानदारी, निष्पक्षता की भावना होनी चाहिए। युवा अधिकारियों से नवोन्मेषी, विश्लेषणात्मक और तकनीकी रूप से कुशल होने की अपेक्षा की जाती है।

प्रधानमंत्री 27 नवंबर को स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री 27 नवंबर को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन करेंगे। वह स्काईरूट के प्रथम ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-क का अनावरण भी करेंगे, जिसमें उपग्रहों को कक्षा में प्रक्षेपित करने की क्षमता है। इस अत्याधुनिक केन्द्र में बहु-प्रक्षेपण वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए लगभग 200,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र होगा, तथा हर महीने एक कक्षीय रॉकेट बनाने की क्षमता होगी।

स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के पूर्व-छात्र और इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं और अब उद्यमी बन गए हैं।

जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र बनता है महाशक्ति, युवाओं के लिए कुछ भी असंभव नहीं : योगी आदित्यनाथ

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के डायमंड जुबिली कार्यक्रम जम्बूरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को संबोधित किया.

(जीएनएस)।

लखनऊ : 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अंतर्गत मंगलवार को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के डायमंड जुबिली कार्यक्रम के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया. इस दौरान सीएम योगी ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत, विकसित भारत बनाने तथा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं का आह्वान किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम सभी मिलकर कार्य करेंगे तो देश की कोई चुनौती शेष नहीं रहेगी. कार्यक्रम में मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र ही महाशक्ति बनता है. युवाओं के लिए कुछ असंभव नहीं है. मुख्यमंत्री ने कहा लगभग 61-62 वर्षों बाद यह भव्य आयोजन उत्तर प्रदेश में हो रहा है. इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, तीर्थंकर भगवानों की उद्देश्य व महत्ता भी बताई. इसके अलावा देश की आजादी के वीरों-वीरांगनाओं के संघर्ष को याद किया.

युवा जाग जाएं तो बदल जाता है इतिहास : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यदि युवा संकल्प जाग जाए तो इतिहास बदल जाता है, युग परिवर्तन हो जाता है. जब किसी राष्ट्र का युवा जाग्रत होता है तो उसका वर्तमान यशस्वी होता है और उसका भविष्य अजेय हो जाता है. आपके सामने स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, मेजर ध्यानचंद के उदाहरण हैं जो सिद्ध करते हैं कि आयु कभी इतिहास रचना में बाधा नहीं बनती. भारत की ऋषि परंपरा कहती है: "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" यानी जहां से भी ज्ञान आए, उसके लिए द्वार खोल दो.

एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना हो रहा साकार ; मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश भर से आए युवा जब आपस में मिलकर भारत की विविधता को 19वीं जम्बूरी के माध्यम से एकता के सूत्र में बांध रहे हैं।

तो यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार कर रहा है. स्काउटिंग केवल खेल, अभ्यास या यूनिफॉर्म तक सीमित नहीं है, यह चरित्र और सेवा पर आधारित जीवन पद्धति है. आज स्काउट्स एंड गाइड्स का यह विचार 170 से अधिक देशों में फैल रहा है, जो प्रसन्नता का विषय है.

एडवेंचर जोन के नाम रहा मंगलवार : 19 वीं राष्ट्रीय जंबूरी में हजारों की संख्या में शामिल युवतियों को कमांडो की विशेष ट्रेनिंग दी गई. जंबूरी में बने एडवेंचर जोन में टाइप प्लैंक,मंकी और बर्मा ब्रिज को शामिल किया गया. निशानेबाजी, तीरंदाजी राइफल शूटिंग,स्टिल्ट वॉक, टायर ब्रिज, छोटा लॉग ब्रिज ,बड़ा लॉग ब्रिज, बीम क्लाईबिंग, बास्केट बॉल, फीडहिओ बॉल्स, ड्रम और पिस्टल शूटिंग भी शामिल रहा. यहां रशियन वॉल, सीढ़ी चढ़ना, स्विंगिंग बोर्ड, कमांडो ब्रिज,सीढ़ी क्रॉसिंग, रिंग थ्रो, जॉबिंग बेल्स,बबॉडी जॉर्स, टायर वॉल, वॉल क्लाइंबिंग, रैपलिंग, बॉल थ्रो, सेल्फी पॉइंट, ज़िप लाइन और स्काई साइकलिंग एडवेंचर की मदद से स्काउट्स गाइड्स को ट्रेनिंग दी गई.

एडवेंचर जोन में मनोरंजन के साथ रोमांच का अवसर : झांसी मंडल स्काउट्स गाइड्स का नेतृत्व कर रहीं निशा यादव ने बताया कि एडवेंचर जोन में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां और सुविधाएं शामिल होती हैं. इनमें रोप कोर्स, ज़िप-लाइन, रॉक क्लाइम्बिंग, बाधा कोर्स और ट्रैम्पोलिन के अलावा गो-कार्टिंग और पर्वतारोहण के जरिए युवाओं को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाती है. साथ ही एडवेंचर जोन युवाओं के मनोरंजन, शारीरिक गतिविधि और रोमांच के लिए होते हैं.

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह द्वारा 2024-25 की बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान जारी

बागवानी क्षेत्रफल बढ़कर 294.88 लाख हेक्टेयर और उत्पादन बढ़कर 3690.55 लाख टन- श्री शिवराज सिंह

फल और सब्जियों के उत्पादन सहित लगभग सभी बागवानी फसलों में बढ़ोतरी- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि-बागवानी क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति व किसानों की मेहनत का सुफल- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज वर्ष 2024-25 की बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान जारी किए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही और हमारे किसान भाइयों-बहनों की मेहनत का सुफल परिलक्षित हो रहा है। बागवानी फसल क्षेत्रफल में 4 लाख हेक्टेयर की वृद्धि अनुमानित है, जो गत वर्ष के 290.86 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 294.88 लाख हेक्टेयर है। उत्पादन में 143.11 लाख टन की वृद्धि अनुमानित है, जो 3547.44 लाख टन से बढ़कर 3690.55 लाख टन अनुमानित है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि ये वृद्धि किसानों की कड़ी मेहनत, कृषि वैज्ञानिकों के प्रयास, प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई लाभकारी योजनाओं तथा किसान हितैषी नीतियों का सद्परिणाम है, जिसमें बेहतर बीज, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और बाजार तक आसान पहुंच भी शामिल है। उन्होंने बताया कि फल व सब्जियों के उत्पादन में खास प्रगति देखी गई है। फल उत्पादन में लगभग 5.12% (57.82 लाख टन) की वृद्धि होकर 1187.60 लाख टन पहुंचने की उम्मीद है, इसमें केला, आम, तरबूज, कटहल, मंदारिन, पपीता, अमरूद अहम योगदान देते हैं। सब्जियों का उत्पादन 4.09% (84.76 लाख टन) बढ़कर 2156.84 लाख टन होने का अनुमान है, विशेषकर प्याज उत्पादन गत वर्ष के 242.67 लाख टन से बढ़कर 307.89 लाख टन तक पहुंचने का अनुमान है, यानी 26.88% की वृद्धि। आलू उत्पादन में 1.85% की बढ़ोतरी होकर 581.08 लाख टन उत्पादन की उम्मीद है।

वर्ष 2024-25 की बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के तृतीय अग्रिम अनुमान के अनुसार, सुगंधित और औषधीय पौधों का उत्पादन बढ़कर 7.81 लाख टन होने का अनुमान है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने व्यापार बोर्ड की चौथी बैठक में भारत के निर्यात में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मजबूत केंद्र-राज्य साझेदारी का आह्वान किया

निर्यात संवर्धन मिशन के तहत, स्थलरुद्ध राज्यों को निर्यात-बढ़ाने के लिए सहायता मिलेगी: श्री पीयूष गोयल

श्री पीयूष गोयल ने निर्यात के क्षेत्र में भारत की प्रतिष्ठा को और मजबूत करने के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की जरुरत पर बल दिया

श्री गोयल ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और व्यापार सुगमता में सुधार के लिए राज्य-स्तरीय सर्वोत्तम प्रथाओं को भी साझा करने पर जोर दिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत को निर्यात बढ़ाते हुए अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार करना चाहिए और रोजगार के अधिक अवसर पैदा करने चाहिए। उन्होंने इसके लिए केंद्र सरकार और राज्यों के बीच मजबूत सहयोग पर जोर दिया। श्री गोयल की अध्यक्षता में पुनर्गठित व्यापार बोर्ड (बीओटी) की चौथी बैठक आज नई दिल्ली में हुई, जहाँ केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला और निर्यात वृद्धि में तेजी लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री गोयल ने कहा कि निर्यात संवर्धन मिशन में भूमि से घिरे राज्यों को निर्यात क्षेत्र में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद करने के लिए लक्षित योजनाओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्यों से मिले सुझावों के आधार पर, वाणिज्य मंत्रालय उभरती चुनौतियों के प्रभावी और समयबद्ध समाधानों की पहचान करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगा।

वस्तुओं की गुणवत्ता के महत्व पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक विश्वसनीय निर्यातक के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा हर उत्पाद और खेप में उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ लंबे वक्त तक विश्वास का रिश्ता कायम रखने के लिए बेहतर गुणवत्ता बनाए रखना बेहद जरुरी है।

श्री गोयल ने राज्यों से अपने सफल मॉडलों और सर्वोत्तम प्रथाओं को सक्रिय रूप से साझा करने का आग्रह किया, विशेष रूप से व्यापार सुगमता और एकल खिड़की निकासी प्रणाली जैसे क्षेत्रों में।

सम्पादकीय

देश की रग-रग में भगवान राम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद मंगलवार को कहा कि राम मात्र एक व्यक्ति नहीं, एक मूल्य हैं, एक मर्यादा हैं, एक दिशा हैं और अगर भारत को 2047 तक विकसित बनाना है, समाज को शक्तिशाली बनाना है तो अपने भीतर राम को जगाना होगा।

दरअसल शासन व्यवस्था की उत्वृष्टता की उपमा देने के लिए राम राज्य का उदाहरण दिया जाता है। रामायण में राम राज्य का उल्लेख उत्तरकांड में मिलता है, जहां श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद स्थापित शासन का वर्णन मिलता है। इस काल में प्रजा अत्यन्त सुखी और समृद्ध थी, कोई दुखी और गरीब नहीं था और प्रवृत्ति भी अनुवूल थी। मतलब यह कि प्रजा को अतिवृष्टि या अनावृष्टि का सामना नहीं करना पड़ता था, राम राज्य एक ऐसी शासन व्यवस्था का आदर्श रूप है जहां धर्म, न्याय और समर्पण का पालन होता था और जहां कोई अन्याय और भ्रष्टाचार नहीं था।

असल में प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में इस बात का एहसास कराना चाहते थे कि भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का जो संकल्प उन्होंने लिया था, उसे समय पर पूरा करके यह साबित कर दिया कि "हम जो कहते हैं, वह करते हैं।" कर्तव्य का अटल संकल्प तभी पूरा हो सकता है, जब ईमानदारी पूर्वक प्रयास किया जाता है। सच तो यह है कि भारतीय राजनीति में जितना राम से दूरी बनाने की कोशिश की गई राम उतने ही दूसरी पाटा के नजदीक दिखे और जिस पाटा ने उसे अपनाया वह उस वर्ग विशेष से कट गई जिसने वर्षो से राम को काल्पनिक पात्र बनाकर रखा था। वामपंथी विचारधारा के इतिहासकारों और चितकों ने अपनी लक्ष्मण रेखा लांघ कर भगवान श्री राम की बात करने वालों को सांप्रदायिक और राम को काल्पनिक बताने वालों को धर्मनिरपेक्ष बताने की जो धृष्टता की थी, उसका परिणाम यह हुआ कि भारतीय समाज राम के नाम पर दो वगरें में बंट गया। वर्ग का मतलब धर्म या महजब से नहीं है बल्कि विचारधारा से है।

बहरहाल इस देश की वैचारिक पहचान राम से है इसलिए स्वाभाविक है, जो भारतीयता को समाहित करेगा, वह 'राम और रामेति' को अपने से दूर कर ही नहीं सकता यह संयोग है कि आज की सरकार राम के प्रति इतनी समर्पित होने के कारण वामपंथी विचारधारा के लोगों के आलोचना की पात्र भी बनी हुई है। उन्हें विनम्र सलाह है कि वे इस अवसर को खोने का पाताप करके मन-मस्तिष्क को शांत करके स्थित प्रज्ञ बनने का प्रयास करें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वगाय गोन्विन्द बल्लभ पंत ने आचार्य नरेन्द्र देव का इसलिए चुनाव में हराने के लिए प्रचार किया क्योंकि उन्होंने राम का विरोध किया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जब हस्तक्षेप किया तो पंत जी ने तपाक से जवाब दिया था कि राम कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भाव हैं और वह तो हमारे व्यक्तित्व में रम गए हैं, घुल मिल गए हैं।

लेकिन नरेन्द्र देव तो अपनी ही पहचान को नाकार रहे हैं, ऐसे व्यक्ति का समर्थन करना असंभव है। एक समय था कि जब राम का नाम लेकर राजनीति कर पाना बहुत मुश्किल था किन्तु उस वक्त एक पाटा का समूचा वुल चुनाव आयोग और फजा धर्मनिरपेक्षों की नाराजगी को नजरंदाज करके राम को अपना बनाया और खुद के अस्तित्व का समर्पण कर दिया। उसने जो खतरा मोल लिया, वही उसके लिए लाभप्रद साबित हुआ।

आज यदि संघ, भाजपा और विश्व हिन्दू परिषद समाज में राम के प्रति चेतना विकसित करना चाहती हैं तो इसमें वुछ भी गलत नहीं है।

भारत रक्षा नवाचार के स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहा है; हमारे युवा उद्यमी राष्ट्र को एक निमार्ता, सृजनकर्ता और वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं: स्वावलंबन 2025 में रक्षा मंत्री

'भारत को आज की तेजी से विकसित होती दुनिया में सक्रिय, अग्रणी और भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए'

'क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ लागत दक्षता, विश्वसनीयता और रणनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त और आत्मनिर्भर घरेलू आपूर्ति श्रृंखला बनाने की आवश्यकता है'

श्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से सिर्फ मौद्रिक लाभ तक सीमित न रहते हुए राष्ट्रवाद, कर्तव्यबोध और रणनीतिक जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता देने वाले 'लाभ-प्लस' दृष्टिकोण को अपनाने का आह्वान किया

(जीएनएस)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 25 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित भारतीय नौसेना के स्वावलंबन सेमिनार के चौथे संस्करण में स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई, शिक्षाविदों, उद्योग साझेदारों और उद्यम पूंजीपतियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'भारत रक्षा नवाचार के स्वर्ण युग में प्रवेश कर रहा है। इसकी मजबूत नींव हमारे नवप्रवर्तकों और युवा उद्यमियों द्वारा रखी जा रही है, जो आर्थिक शक्ति, रणनीतिक दृष्टिकोण और तकनीकी प्रगति को एकीकृत कर रहे हैं।' श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य और अस्थिर भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत प्रतिक्रियात्मक रुख अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता; उसे सक्रिय, अग्रदृष्टि संपन्न व भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। रक्षा मंत्री ने नवप्रवर्तकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके पथ-प्रदर्शक समाधान राष्ट्र को केवल एक खरीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक निमार्ता, सृजनकर्ता और वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने में सक्षम बना रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने बल देकर कहा कि देश में दिखाई दे रहा स्वदेशीकरण आंदोलन केवल नीतिगत पहलों का परिणाम नहीं है, बल्कि सभी हितधारकों की सतत मेहनत और समर्पण का फल है। इसी सामूहिक प्रयास के कारण भारत अब आयातक से प्रौद्योगिकी निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा, 'यदि भारत आज एक उभरती समुद्री शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, तो इसका श्रेय भारतीय नौसेना के साथ-साथ हमारे नवप्रवर्तकों के उल्लेखनीय योगदान को भी जाता है।'

रक्षा मंत्री ने रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उभरते आयामों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निजी क्षेत्र से 'लाभ-प्लस' दृष्टिकोण अपनाने और ऐसी प्रणालियां एवं प्लेटफॉर्म विकसित करने का आह्वान किया, जो वैश्विक स्तर पर भारत की विश्वसनीयता का प्रतीक बन सकें। उन्होंने कहा, 'लाभ-प्लस दृष्टिकोण में केवल मौद्रिक लाभ ही नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद, कर्तव्य-बोध और रणनीतिक ज़िम्मेदारी भी शामिल है। हमारा लक्ष्य मात्र आर्थिक गतिविधि तक सीमित नहीं होना चाहिए; इसे एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।' श्री राजनाथ सिंह ने निजी उद्योग से राष्ट्रीय हितों को केंद्र में रखते हुए उत्पादन, तकनीक, डिजाइन और नवाचार में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही आने वाले वर्षों में रक्षा निर्माण में निजी क्षेत्र के योगदान को 50% या उससे अधिक तक बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

रक्षा मंत्री ने विदेशों से आयातित रक्षा उपकरणों के रखरखाव, मरम्मत, ओवरहाल और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति से उत्पन्न दीर्घकालिक वित्तीय बोझ का उल्लेख भी किया। उन्होंने आयात निर्भरता कम करने और एक बेहतर व आत्मनिर्भर घरेलू आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। श्री सिंह ने कहा, 'यदि हम कलपुर्जों और उप-प्रणालियों के स्थानीय विनिर्माण को सुदृढ़ करते हैं, तो हमारे स्वदेशी उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ेगा। इससे न केवल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि लागत दक्षता, विश्वसनीयता और रणनीतिक स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह तभी संभव है जब निजी क्षेत्र, स्टार्ट-अप, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं और सरकारी संस्थान साझा दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें।' उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में रक्षा नवाचार, स्वदेशी डिजाइन, उन्नत विनिर्माण तथा रणनीतिक स्वायत्तता जैसी बातें रक्षा विकास की प्रमुख प्रेरक शक्तियां बन जाएंगी।

श्री राजनाथ सिंह ने सशक्त रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए व्यापक सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए निजी उद्योग से आग्रह किया कि वे अगले बड़े प्लेटफार्म, क्रांतिकारी तकनीक या किसी अभूतपूर्व नवाचार की पहचान कर सरकार को अवगत कराएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी चुनौती का सामूहिक समाधान खोजने में सरकार और रक्षा संस्थान पूरा सहयोग देंगे। रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत रूपातंरित हो रहा है, रक्षा क्षेत्र परिवर्तित हो रहा है, भू-राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं तो हमें भी अपनी सोच में परिवर्तन लाना होगा। हमें अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि यह पीछे हटने का नहीं, बल्कि नए रास्ते बनाकर आगे बढ़ने का समय है।'

इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि स्वावलंबन पहल का दायरा, पैमाना और भागीदारी प्रत्येक नए संस्करण के साथ लगातार बढ़ी है। उन्होंने बताया कि पहले संस्करण में लगभग 800 प्रतिभागी थे, वहीं पिछले वर्ष यह संख्या बढ़कर प्रभावशाली 3,000 तक पहुंच गई। उन्होंने आगे बताया कि अब तक घोषित 565 आई डेक्स चुनौतियों में भारतीय नौसेना की हिस्सेदारी 35% है, जो इस दिशा में नौसेना की सक्रिय भूमिका को दशार्ती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वावलंबन कार्यक्रम इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।

नौसेना प्रमुख ने बताया कि आईडेक्स चुनौतियों के माध्यम से स्टार्ट-अप और एमएसएमई द्वारा विकसित नवाचारों ने न केवल भारतीय नौसेना की क्षमताओं को सशक्त बनाया है, बल्कि सेना, वायु सेना, तटरक्षक बल व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा उनकी सीधी खरीद के अवसरों को भी बढ़ाया है। यह एकीकृत, व्यापक रक्षा दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो सशस्त्र बलों में नवाचार के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करता है।

स्वावलंबन, नौसेना नवाचार एवं स्वदेशीकरण संगठन का वार्षिक कार्यक्रम, सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह मंच स्वदेशी तकनीकों के प्रदर्शन के साथ-साथ भारतीय नौसेना और देश के व्यापक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को सुदृढ़ करने का एक व्यापक अवसर प्रदान करता है।

प्रदर्शनी

सेमिनार के दौरान एक व्यापक प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), स्वायत्त प्रणालियों, संचार तकनीकों, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्टील्थ समाधानों और स्मार्ट ऑर्डिनेंस जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। लगभग 80 एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स ने भारतीय नौसेना की परिचालन और रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए अपने प्रोटोटाइप और समाधान प्रस्तुत किए। इस संस्करण में उन मूर्त उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया जो समय के साथ विकसित होकर अब जल्द ही परिचालन उपयोग के लिए तैनाती के चरण में पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री ने प्रदर्शनी का दौरा किया और स्टॉलों पर प्रदर्शित विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का अवलोकन किया।

समझौता ज्ञापन-आयुध प्रणालियां

इस अवसर पर रक्षा मंत्री की उपस्थिति में भारतीय नौसेना, आईआईटी मद्रास और अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य आईआईटी मद्रास की शैक्षणिक अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं, भारतीय नौसेना की क्षेत्रीय विशेषज्ञता और परिचालन आवश्यकताओं, तथा अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की उन्नत विनिर्माण क्षमताओं को एकीकृत करते हुए अत्याधुनिक आयुध प्रणालियों के स्वदेशी विकास और उत्पादन को सशक्त बनाना है।

सारथी एप्प

राजनाथ सिंह ने 'सारथी' अर्थात आयुध समीक्षा, विश्लेषण, ट्रैकिंग, संचालन और स्वदेशीकरण प्रणाली का भी शुभारंभ किया। यह एक उन्नत विश्लेषणात्मक और ज्ञान-प्रबंधन उपकरण है, जिसे नौसेना आयुध निरीक्षण एवं गुणवत्ता आश्वासन से जुड़े सभी मुद्दों के लिए एक समेकित वन-स्टॉप समाधान के रूप में विकसित किया गया है। यह एप्लिकेशन गोला-बारूद के संपूर्ण जीवन चक्र—विकास, उत्पादन, सेवा-काल उपयोग से लेकर अंतिम निपटान—तक सभी चरणों को कवर करता है। सारथी प्रणाली को उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक), चेन्नई द्वारा पूर्णतः डिजाइन और विकसित किया गया है।

नवाचार

विद्यार्थियों, शोधकताओं, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों और डेवलपर्स के लिए एक नौसेना हैकाथॉन 'इनोवेथॉन' की भी शुरूआत की गई, ताकि वे समुद्री क्षेत्र की वास्तविक परिचालन चुनौतियों के समाधान में अपनी बुद्धिमत्ता तथा रचनात्मकता का योगदान दे सकें। इस पहल के अंतर्गत प्रस्तुत चुनौतियों में स्वार्म एल्गोरिथ्म का विकास, स्केलेबल क्रॉस-प्लेटफॉर्म नेटवर्क ट्रैफिक एन्क्रिप्शन समाधान और उपग्रह-सचेत समुद्री मार्ग खुफिया प्रणाली के डिजाइन तथा विकास जैसी उच्च-स्तरीय तकनीकी आवश्यकताएं शामिल हैं।

संवादात्मक सत्र

इस अवसर पर नौसेना और रक्षा अताशे के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसके बाद प्रौद्योगिकी विकास त्वरण प्रकोष्ठ द्वारा प्रस्तुतियां दीं गईं, जिनमें स्वदेशीकरण एवं प्रौद्योगिकी अनुकूलन पहलों में प्रगति पर प्रकाश डाला गया। 'नवाचार और आत्मनिर्भरता' पर एक गहन चर्चा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें रक्षा उद्यमिता को बनाए रखने वाले एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर चर्चा की गई।

अन्य मुख्य बातें

इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री द्वारा 10 आईडेक्स विजेताओं को सम्मानित किया गया और प्रमुख दस्तावेजों - भारतीय नौसेना तकनीकी चुनौतियों एवं समस्या विवरणों का संग्रह, स्वावलंबन 4.0 दस्तावेज तथा आयुध स्वदेशीकरण संग्रह - का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत उपस्थित थे।

'रंगोली: रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व' - डीपीडी और एफटीआईआई पुणे के एक सहयोगी प्रकाशन का विमोचन किया गया

पुस्तक 'रंगोली' भारतीय सिनेमा की विरासत को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है: डीपीडी के प्रधान महानिदेशक, श्री भूपेन्द्र कैंथोला

एफटीआईआई हमारे लिए सभ्यतागत उपलब्धि है, 'रंगोली' जैसी पुस्तकें 'सिनेमा के लिए हमारी सेवा' हैं: एफटीआईआई के निदेशक श्री धीरज सिंह

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में आज "रंगोली: रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व" का विमोचन किया गया, जो प्रकाशन विभाग निदेशालय (डीपीडी) और भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे का एक संयुक्त प्रकाशन है।

पुस्तक में भारतीय सिनेमा की आठ प्रमुख हस्तियों- पैडी एस. जयराज, केदार शर्मा, मन्ना डे, ह्रषिकेश मुखर्जी, नीलू फुले, बसु चटर्जी, बालू महेंद्र और सुमित्रा भावे पर गहन लेख हैं।

विमोचन के अवसर पर, प्रकाशन विभाग निदेशालय (डीपीडी) के प्रधान महानिदेशक, श्री भूपेंद्र कैंथोला ने कहा कि यह पुस्तक भारतीय फिल्म एवं टेलिविजन संस्थान (एफटीआईआई) की प्रशंसित पत्रिका "लेंस साइट" की विरासत को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा, "लेंस साइट मूल रूप से अंग्रेजी में प्रकाशित हुई थी, और हालाँकि एफटीआईआई ने बाद में इसका हिंदी संस्करण भी जारी किया, लेकिन इसकी पहुँच सीमित रही। डीपीडी ने अपने राष्ट्रव्यापी वितरण नेटवर्क के माध्यम से इसे एक बड़ा मंच और व्यापक पहुँच प्रदान करने का निर्णय लिया। हम भारतीय सिनेमा की इस समृद्ध विरासत को देश भर के सिने प्रेमियों के करीब लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" श्री कैंथोला ने आगे कहा कि पुस्तक का हिंदी में प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है, जो भारतीय भाषाओं में सीखने और सांस्कृतिक संसाधनों पर जोर देती है।

भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के निदेशक श्री धीरज सिंह ने इस पुस्तक को भारत की सिनेमाई विरासत का प्रमाण बताया। सिंह ने कहा, "दुनिया में कई सिनेमाई सिद्धांत हैं, लेकिन जब हम

उन्हें अपने अनुभवों से जोड़ते हैं, तो लेंस साइट और रंगोली जैसी रचनाएँ उभरती हैं। ये सिनेमा के प्रति हमारी सेवा हैं।" उन्होंने एफटीआईआई जैसे संस्थानों के सांस्कृतिक महत्व पर भी जोर दिया:

श्री धीरज सिंह ने कहा, "एफटीआईआई, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान जैसे संस्थान सभ्यतागत उपलब्धियाँ हैं। ये हमारे देश की गहरी और जीवंत सिनेमा परंपरा के प्रमाण हैं।"

आईएफएफआई में रंगोली का शुभारंभ, सिनेमाई उत्कृष्टता का उत्सव मनाने और भारत की फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए महोत्सव की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

पीसी लिंक:

पुस्तक के बारे में: "रंगोली: रूप, सुर, लय की - भारतीय सिनेमा के विहंगम शिखर व्यक्तित्व" भारतीय सिनेमा की रचनात्मक विरासत पर आधारित है। यह पुस्तक प्रकाशन विभाग और भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई), पुणे का संयुक्त प्रकाशन है।

यह पुस्तक भारतीय सिनेमा की आठ महान हस्तियों - पैडी एस. जयराज, केदार शर्मा, मन्ना डे, ह्रषिकेश मुखर्जी, नीलू फुले, बासु चटर्जी, बालू महेंद्र और सुमित्रा भावे - के रचनात्मक योगदान, संघर्ष, प्रयोगात्मक दृष्टिकोण और कलात्मक यात्रा का विस्तृत चित्रण प्रस्तुत करती है।

सिनेमा के प्रारंभिक मूक युग से लेकर तकनीक, अभिनय, संगीत, निर्देशन और संपादन के विकास तक, यह पुस्तक पाठकों को भारतीय सिनेमा की जड़ों और उसकी सौंदर्य दृष्टि से परिचित कराती है। फिल्म निमार्ताओं के अनुभवों, कलात्मक दृष्टिकोण और रचनात्मक प्रक्रियाओं को प्रस्तुत करते हुए, यह कृति न केवल सिनेमा के विद्यार्थियों के लिए, बल्कि कला प्रेमियों के लिए भी अमूल्य शोध सामग्री का काम करती है।

आईएफएफआई के बारे में

1952 में स्थापित, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) दक्षिण एशिया में सिनेमा के सबसे पुराने और सबसे बड़े उत्सव के रूप में प्रतिष्ठित है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और गोआ मनोरंजन सोसायटी (ईएसजी), गोवा सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, यह महोत्सव एक वैश्विक सिनेमाई शक्ति के रूप में विकसित हुआ है—जहाँ पुनर्स्थापित क्लासिक्स का मिलन साहसिक प्रयोगों से होता है, और दिग्गज कलाकार निडर पहली बार आने वाले कलाकारों के साथ मंच साझा करते हैं। आईएफएफआई को वास्तव में चमकदार बनाने वाला इसका विद्युत मिश्रण है—अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ, मास्टरक्लास, श्रद्धांजलि और ऊजार्वान वेव्स फिल्म बाजार, जहाँ विचार, सौदे और सहयोग उड़ान भरते हैं। 20 से 28 नवंबर तक गोआ की आश्चर्यजनक तटीय पृष्ठभूमि में आयोजित, 56वाँ संस्करण भाषाओं, शैलियों, नवाचारों और आवाजों की एक चकाचौंध भरी श्रृंखला —विश्व मंच पर भारत की रचनात्मक प्रतिभा का एक गहन उत्सव का वादा करता है।

धनिया देता है सुन्दर काया- शहनाज हुसैन

रसोई घर में सब्जियों का जायका बढ़ाने के लिए सर्दियों में प्रयोग किए जा रहे धनिए को हाल ही के वर्षों में सौंदर्य जगत का नया "राक्स्टार" माना जाने लगा है। सौंदर्य जगत में आज कल कील मुहांसों, तैलीय तथा शुष्क त्वचा, काले धब्बों के इलाज के लिए धनिए को हर्बल सौंदर्य प्रसाधन के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। घरेलू व्यंजनों को सुगन्ध प्रदान करने वाली जादुई जड़ी बूटी धनिए के नियमित उपयोग से कोलेस्ट्रोल को कम करने, पाचन तंत्र को मजबूत करने, हीमोग्लोबिन को बढ़ाने तथा चर्म रोगों के उपचार में मदद मिलती है । शरीर में पितवात को सन्तुलित एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाली धनिये की हरी पत्तियाँ शरीर में अम्ल को कम करके चेहरे के दाग, धब्बों को कम करके चेहरे की आभा को बढ़ाती है। धनिए की हरी पत्तियां चबाने से शरीर में एनिमिया को रोकने में मदद मिलती है जो कि शुष्क तथा निष्प्राण त्वचा का मुख्य कारण है ताजा धनिया में विटामिन-सी, वीटा कारोटीन, एण्टीऑक्सीडैंट के गुण विद्यमान होते हैं तथा इसकी सुगन्ध से मानसिक व शारीरिक ताजगी का अहसास होता है जिससे आपकी त्वचा मुलायम, कोमल तथा चमकदार बनती है। धनिया की पत्तियों का पेस्ट खोपड़ी पर लगाने से खुजली तथा खुशकी से निजात मिलती है। धनिया को पीस कर थोड़ा सा शहद मिलाकर बने पेस्ट को खोपड़ी पर लगाने से ताजगी तथा सफुर्ति का अहसास होता है। धनिया तथा लैमन ग्रास के पेस्ट से कील मुहांसों को रोकने में मदद मिलती है।

एक चम्मच धनिया रश तथा एक चम्मच लेमन ग्रास को उबलते पानी में डालकर एक घण्टा तक रहने दें तथा इससे बने पेस्ट को कील, मुहांसों पर लगाकर आधा घण्टा बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए। ताजा धनिया पत्तियों के जूस तथा नींबू जूस को मिलाकर कील-मुहांसों तथा ब्लैक हैडस पर लगाकर आधा घण्टा बाद साफ ताजे पानी से धो डालिए। धनिया का फेस पैक त्वचा में चमक तथा आभा बढ़ाता है। ताजा टमाटर, हरी धनिया की पत्तियां तथा गुलाब जल को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद ताजे साफ जल से धो डालिए। गर्मियों में तापमान में वृद्धि तथा सूर्य की तेज किरणों से त्वचा में कालापन आ जाता है। आधा कप जई, एक चैथाई कप दही तथा एक चैथाई कप धनीया पत्तियों को काटकर मिक्सी में ब्लैंड कर लें तथा इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन तथा आदि खुले भागों में लगाकर 20 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालिए तथा इससे गर्मियों में झुलसी त्वचा को शीतलता प्रदान होगी।

दो चम्मच धनिया पत्तियों का जूस तथा एक चम्मच नींबू जूस को मिलाकर रात को अपने होठों पर मालिश कर लें तथा इसे होठों पर रात भर रहने दें व सुबह ताजे पानी से धो डालें । इसे हफ्ते में दो बार प्रयोग करने से आपके होठ मुलायम तथा गुलाबी हो जाएंगे। गर्मियों में धूप से त्वचा अक्सर झुलस जाती हैं इसके उपचार के लिए एक चम्मच धनिया बीज पाउडर को एक कप सूर्यमुखी, बादाम या जैतून के तेल में एक हफ्ते तक इन्फ्यूज करके बने मिश्रण को सनबर्न से प्रभावित अंगों पर लगाने से शीतलता मिलती है। धनिए की पत्तियों के जूस को ऐलोवेरा से मिश्रित कर बने मिश्रण को लगाने से चेहरे पर झुर्रियां रोकने में मदद मिलती है। धनिया की पत्तियों, चावल के आटे तथा दही के मिश्रण से बने फेस पैक के लगाने से चेहरे की मांसपेशियां तथा कोशिकाएं तरो ताजा हो जाती हैं तथा आप खिली-खिली महसूस करती हैं।

ताजा हरी धनिया पत्तियों को ग्राइन्डर में डालकर पानी डालकर इसे ग्राइन्ड करके पेस्ट बना लें। अब इस मलमल को कपड़े या स्ट्रेनर की मदद से जूस अलग कर लें। थोड़े से जूस में चुटकी भर हल्दी मिलाकर बने पेस्ट को रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर सुबह ताजे पानी से धोने से त्वचा में निखार आता है।

वो रात जब तड़तड़ाहट में दबीं गर्भवतियों की चीखें, मौत के 'जबड़े' से ये नर्स खींच लाईं 20 बच्चे

(जीएनएस)। मुंबई शहर और 26 नवंबर 2008 की काली भयानक रात। बाहर अङ-47 की तड़तड़ा रही थीं, ग्रेनेड फट रहे थे, ताज की लॉबी में आग की लपटें उठ रही थीं। और कामा एंड अल्बलेस अस्पताल की पहली मंजिल पर... एक साधारण-सी सफेद वर्दी वाली नर्स अंजलि कुलथे (अल्ल्रं' ङ४'ॐ) खामोशी से 20 गर्भवती औरतों की सांसें संभाल रही थीं। बाहर आतंक था। अंदर... उम्मीद। 'दीवार फांदकर दो लड़के आए... एक ने गोली चलाई, नर्स की सहकर्मी की साड़ी रक्त से लाल हो गई', वक्त था रात करीब 10:30 बजे।

खून से तर साड़ी में सहकर्मी जाधव को अंजलि ने खींचकर अंदर लिटाया, लेकिन कुछ ही मिनटों में सहकर्मी जाधव चली गईं। उसके बाद अंजलि को समझ आ गया- ये कोई छोटी-मोटी गोलीबारी नहीं, ये मौत का तांडव था। और ठीक उसी वक्त उनकी नजर पड़ी प्रसूति वार्ड पर। 20 गर्भवती महिलाएं। कुछ की डिलीवरी बस होने वाली थी। कुछ नवजात शिशु साथ लेटे थे। अंजलि ने एक पल भी नहीं गंवाया। उन्होंने लोहे का भारी-भरकम दरवाजा बंद किया। फिर धीरे से सबको पेंट्री के सबसे अंदर वाले छोटे-से कमरे में ले जाकर छिपाया।

'कोई आवाज मत करना... मैं हूं ना।'

जब पेंट्री में एक मां को प्रसव-पीड़ा हुई हथगोले फट रहे थे। इमारत हिल रही थी। महिलाएं डर से कांप रही थीं। अचानक एक गर्भवती महिला का चेहरा पीला पड़ गया- उसका ब्लड प्रेशर आसमान छूने लगा। प्रसव शुरू हो गया। अंजलि ने उसका हाथ थामा और फुसफुसाई, 'डर मत... मैं ले जा रही हूं। बस मेरे साथ चल।' बाहर गोलियां। सीढ़ियों पर खून के छींटे। अंजलि ने उस महिला को कंधे पर हाथ रखकर लेबर रूम तक पहुंचाया। डॉक्टर नहीं आ पा रही थीं- नीचे गोलीबारी जोरों पर थी। तो अंजलि ने खुद डिलीवरी कराई। बिना एक चीख के। बिना एक रोने की आवाज के।

जैसे पूरी इमारत में सिर्फ वो मां और उसका आने वाला बच्चा ही बाकी हों। और जब बच्चे की पहली किलकारी गूंजी...अंजलि की आंखों में आंसू आ गए। बाहर मौत नाच रही थी, अंदर एक नई जिंदगी ने सांस ली।

सुबह 6 बजे - जब दरवाजा खटखटाया पुलिस ने

अंजलि बताती हैं कि 'मैं मां को अपने बच्चे की बलि नहीं देने देना चाहती थी' बाद में जब उनसे पूछा गया कि डर नहीं लगा? तो अंजलि दीदी ने सिर्फ इतना कहा- 'मैं नर्स हूं। मेरी वर्दी में बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। और उस रात मेरे वार्ड में 20 मांएं थीं। मैं किसी मां को आतंकवादियों के हाथों अपने बच्चे की बलि नहीं चढ़ने देना चाहती थी।'

पूरी रात अंजलि महिलाओं के बीच बैठी रहीं। सबको हिम्मत बंधाती रहीं। सुबह जब पुलिस ने दरवाजा खटखटाया और बोला - 'सब सुरक्षित हैं, दरवाजा खोलिए', तब पहली बार किसी ने राहत की सांस ली। 20 गर्भवती महिलाएं। 20 नवजात शिशु (जिनमें से एक उस रात पैदा हुआ)। सब जिंदा।

जब कसाब अदालत में मुस्कुराया साल 2010। अदालत में अजमल कसाब को पेश किया गया। अंजलि को गवाही के लिए बुलाया गया। परिवार डर गया- बोला, 'मत जाओ, जान को खतरा है।' लेकिन अंजलि वर्दी पहनकर पहुंचीं। कसाब ने उन्हें देखकर मुस्कुराया और कहा, 'मैडम, आपने मुझे पहचान लिया ना? मैं अजमल कसाब हूं।' अंजलि ने शांत स्वर में जवाब दिया- 'हां, मैंने पहचान लिया। और उस रात तुमने जो किया, वो भी मैं कभी नहीं भूलूंगी।'

आज भी रीढ़ में सिहरन दौड़ जाती है

17 साल बीत गए। लेकिन जब भी अंजलि उस रात को याद करती हैं, उनकी आवाज भर्रा जाती है। 'नींद नहीं आती थी, कई दिनों तक...रात को अचानक जाग जाती हूं। उस खून, उन चीखों को आज भी सुनती हूं। लेकिन साथ ही उस बच्चे की पहली किलकारी भी याद आती है...जो मैंने उस रात बचाई थी।'

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

महिला कबड्डी विश्व कप में भारत की जीत, पश्चिम रेलवे की सोनाली शिंगटे द्वारा शानदार प्रदर्शन

मुंबई,

भारत ने 17 से 24 नवंबर 2025 तक ढाका, बांग्लादेश में आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप में रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह असाधारण उपलब्धि न केवल पूरे देश के लिए, बल्कि पश्चिम रेलवे के लिए भी अत्यंत गर्व का क्षण है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पश्चिम रेलवे के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि मुंबई सेंट्रल मंडल में डिप्टी चीफ टिकट इंस्पेक्टर (ऊ उळक) के तौर पर काम करने वाली सुश्री

सोनाली शिंगटे ने इंडियन टीम की राइट रेडर के तौर पर शानदार परफॉर्मेंस दी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने अपनी रेड्स में जबरदस्त फुर्ती, कॉन्फिडेंस और सटीकता दिखाई, जिससे भारत की जीत में अहम योगदान मिला।

पश्चिम रेलवे को सुश्री सोनाली शिंगटे के डेडिकेशन और अचीवमेंट पर बहुत गर्व है। उनका योगदान न केवल इंडियन महिला कबड्डी टीम के लिए प्रतिष्ठा की बात है, बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे परिवार के लिए भी बहुत सम्मान की बात है।

पश्चिम रेलवे भारतीय महिला कबड्डी टीम को दिल से बधाई देती है और सुश्री सोनाली शिंगटे को उनके इंस्पायरिंग परफॉर्मेंस के लिए सलाम करती है, जो रेलवे एथलीट्स के साथ-साथ देश भर के युवा खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करता है।

संचार साथी ने अक्टूबर 2025 में 50,000 से अधिक फोन रिकवर करने में मदद की, देश भर में डिजिटल सुरक्षा को मजबूती मिली

पुलिस और दूरसंचार विभाग के समन्वय से 7 लाख से अधिक हैंडसेट बरामदगी का रिकॉर्ड बना

कर्नाटक और तेलंगाना 1 लाख से अधिक हैंडसेट बरामदगी के साथ अग्रणी

मासिक बरामदगी में 47 प्रतिशत की वृद्धि से संचार साथी के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है

भारत अब संचार साथी के माध्यम से हर मिनट एक खोया हुआ फोन बरामद करता है

दूरसंचार विभाग ने नागरिकों से डिवाइस की जांच और धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग के लिए संचार साथी ऐप का इस्तेमाल करने का आग्रह किया

संचार साथी ने डिजिटल इंडिया विजन के तहत नागरिक सुरक्षा को मजबूत किया

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग ने घोषणा के अनुसार, उसकी डिजिटल सुरक्षा पहल, "संचार साथी" ने पहली बार अक्टूबर 2025 तक देशभर में 50,000 से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट वापस पाने में कामयाबी हासिल की है। यह उपलब्धि नागरिकों की डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और तकनीक-संचालित शासन में जनता के विश्वास को दर्शाती है। देश भर में कुल मिलाकर रिकवरी 7 लाख के आंकड़े को भी पार कर गई है।

कर्नाटक और तेलंगाना शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे हैं, जहां प्रत्येक ने एक लाख से अधिक रिकवरी की है। महाराष्ट्र 80,000 से अधिक रिकवरी के साथ दूसरे स्थान पर है। उल्लेखनीय रूप से, जून से अक्टूबर, 2025 तक मासिक रिकवरी में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो इस प्रणाली की बढ़ती दक्षता और पहुंच को दर्शाता है। इस प्रणाली की मदद से, देश भर में हर मिनट एक से अधिक हैंडसेट रिकवर किए जा रहे हैं।

इस उपलब्धि के मूल में एक मजबूत, स्वदेशी रूप से विकसित प्लेटफॉर्म है, जो स्वचालित वर्कफ्लो और तत्क्षण डिवाइस ट्रेसेबिलिटी को एकीकृत करता है। संचार साथी की उन्नत तकनीक ब्लॉक किए गए उपकरणों के दुरुपयोग को रोकती है। जब किसी रिपोर्ट किए गए हैंडसेट में सिम डाला जाता है, तो सिस्टम पंजीकृत नागरिक और संबंधित पुलिस स्टेशन, दोनों को अलर्ट भेजता है, जिससे तेज और अधिक कुशल रिकवरी संभव होती है।

यह सफलता निर्बाध सहयोग का परिणाम है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिसकर्मियों, दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) और क्षेत्रीय संरचनाओं (एलएसए) ने मिलकर काम किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपकरणों का कुशलतापूर्वक पता लगाया जा सके और उन्हें उनके असली मालिकों को वापस किया जा सके। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के साथ नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम और साझेदारियां जमीनी स्तर पर टिप्पणी और परिचालन संबंधी उत्कृष्टता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही हैं।

दूरसंचार विभाग ने नागरिकों से "संचार साथी" ऐप डाउनलोड करने का आग्रह किया है ताकि वे न केवल अपने खोए/चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की रिपोर्ट कर सकें और उन्हें ब्लॉक कर सकें, बल्कि वे जो नए/पुराने उपकरण खरीदने का इरादा रखते हैं, उनकी प्रामाणिकता की भी जांच कर सकें। नागरिक इस ऐप के माध्यम से संदिग्ध धोखाधड़ी वाले कॉल/संदेशों की भी रिपोर्ट कर सकते हैं और बैंकों व वित्तीय संस्थानों के विश्वसनीय संपर्क विवरणों की भी जांच कर सकते हैं।

संचार साथी सरकार के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप नागरिकों को सशक्त बनाने और डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह उपलब्धि डिजिटल तकनीकों, सतर्क पुलिस बलों और दूरसंचार विभाग की समर्पित टीमों द्वारा एक सुरक्षित, नागरिक-केंद्रित डिजिटल इको-सिस्टम के निर्माण में किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाती है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों श्री विकाससिंह, प्वाइंट्समैन और श्री कमलेश कुमार एम., लोको पायलट को उत्कृष्ट कार्य एवं सुरक्षित ट्रेन संचालन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। इन दोनों कर्मचारियों को अक्टूबर 2025 के दौरान अपनी सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा से संभावित दुर्घटनाओं को टालने के लिए सम्मानित किया गया।

03 अक्टूबर 2025 को सामाखियाली स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान प्वाइंट्समैन श्री विकाससिंह ने एक लॉन्ग हॉल ट्रेन के वैगन (उठउफ 5452113254) के एक्सल पर दो बोल्ट गायब पाए। उन्होंने तुरंत लाल सिग्नल देकर ट्रेन को रोका। जांच में बोल्ट गायब होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उउफ के निदेर्शानुसार वैगन को उ&ह स्टाफ द्वारा अटेंड करने हेतु ट्रेन को लाइन नंबर 03 पर लाया गया और सुरक्षित तरीके से आगे की कार्यवाही की गई। उनकी सजगता के कारण एक संभावित गंभीर तकनीकी त्रुटि समय रहते टल गई।

04 अक्टूबर 2025 को ट्रेन संख्या

69243 असारवा-उदयपुर को चलाते समय लोको पायलट श्री कमलेश कुमार एम. ने हिम्मतनगर से आगे किलोमीटर 321/12-321/11 पर तीन अज्ञात व्यक्तियों को रेलवे ट्रैक पर वस्तुएँ रखते देखा। उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया और ट्रेन को अवरोध से लगभग 15 मीटर पहले सुरक्षित रूप से रोक लिया।

जांच में पाया गया कि ओएचई कैंटिलीवर असेंबली (रजिस्टर आर्म) का एक हिस्सा पटरियों पर गिरा हुआ था। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी और लोहे की रॉड को सुरक्षित कर आगे की सभी प्रक्रियाएँ नियमों के अनुसार पूरी कीं। उनकी तत्परता और त्वरित निर्णय क्षमता ने एक बड़ी दुर्घटना को टालने में अहम भूमिका निभाई।

अहमदाबाद मंडल को अपने ऐसे कर्मठ और जिम्मेदार कर्मचारियों पर गर्व है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी धैर्य, सतर्कता और पेशेवर दक्षता का परिचय देते हैं। यह सम्मान न केवल उनकी कर्तव्यपरायणता की सराहना है, बल्कि पश्चिम रेलवे की उस कार्य-संस्कृति का प्रतीक भी है, जहाँ संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है।

राजकोट,

राजकोट मंडल के सुरेन्द्रनगर-चमारज सेक्शन में नया रोड ओवर ब्रिज (आरओबी-48) बनाने के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के चलते 29 नवम्बर से लेकर 01 दिसम्बर, 2025 तक रेल यातायात प्रभावित होगा। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

29 नवम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 11466 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस मार्ग में 02.00 घंटा रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 16337 ओखा-एणार्कुलम एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट रेगुलेट की जाएगी।

30 नवम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस वेरावल से अपने निर्धारित समय 7.30 बजे की जगह 2 घंटा विलंब से यानि 09.30 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन नं 19119 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल से अपने निर्धारित समय 10.25 बजे की जगह 2 घंटा विलंब से यानि 12.25 बजे प्रस्थान करेगी।

1 दिसम्बर, 2025 को प्रभावित होने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 11464 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस मार्ग में 03.00 घंटा रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19119 गांधीनगर कैपिटल-वेरावल एक्सप्रेस गांधीनगर कैपिटल से अपने निर्धारित समय 10.25 बजे की जगह 1 घंटा विलंब से यानि 11.25 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन नं 16337 ओखा-एणार्कुलम एक्सप्रेस मार्ग में 55 मिनट रेगुलेट की जाएगी।
- ट्रेन नं 19120 वेरावल-गांधीनगर कैपिटल एक्सप्रेस मार्ग में 45 मिनट रेगुलेट की जाएगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

मेट्रो की लाइन-5 से लगती सड़क पर काम शुरू, सीएम फडणवीस ने इस रूट के लिए क्यों दिया खास आदेश?

(जीएनएस)।

भिवंडी निजामपुरा सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अंजुर फाटा से कल्याण नाका तक की सड़क पर बड़े पैमाने पर चौड़ीकरण अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जून में मेट्रो लाइन-5 से लगती सड़क के विस्तार का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के आदेश के मुताबिक, मेट्रो लाइन 5 के साथ लगती सड़क को भी समान गति से चौड़ा किया जाए। दोनों प्रोजेक्ट एक-दूसरे को सपोर्ट करते हुए आगे बढ़ें। क्षेत्र में ट्रैफिक समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट है।

निगम के अनुसार, मौजूदा 24 मीटर चौड़ी सड़क को बढ़ाकर 36 मीटर किया जाएगा। बढ़ते ट्रैफिक और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए यह चौड़ीकरण समय की जरूरत माना जा रहा है। इस रूट पर मेट्रो लाइन के विस्तार की वजह से आने वाले समय में सवारियों, ऑटो, दुपहिया वाहन की संख्या भी बढ़ सकती है।

सीएम फडणवीस का निर्देश

- सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस रूट के लिए निर्देश दिया है। मेट्रो लाइन-5 के साथ ही सड़क चौड़ीकरण का काम तय समय में पूरा करने की खास ताकीद की गई है।

- इसके लिए 732 प्रभावित लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। अब तक 470 ढांचों को तोड़ा जा चुका था।

- आयुक्त अनमोल सागर के नेतृत्व में कई टीमें पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहीं और तेजी से कार्रवाई कर रही हैं। मेट्रो लाइन पर भी काम चल रहा है।

तेजी से चल रहा काम

अधिकारियों का कहना है कि रोजाना होने वाले ट्रैफिक को कम करने और मेट्रो लाइन 5 के काम को सुचारू रखने के लिए सड़क का विस्तार जरूरी है। उनका कहना है कि चौड़ी सड़क उत्तरी भिवंडी में भविष्य के विकास में मदद करेगी। मेट्रो शुरू होने के बाद आवागमन को और आसान बनाएगी। भिवंडी के मेट्रो से जुड़ने के बाद आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उपनगरीय इलाकों से रोजाना काम के लिए आने-जाने वाले लोगों के लिए मेट्रो एक सुविधाजनक विकल्प बन सकती है।

मुंबई लोकल यात्रियों को झेलनी पड़ेगी परेशानी, 8 दिसंबर तक रहेंगे कई ब्लॉक

(जीएनएस)।

सेंट्रल रेलवे के यात्रियों को मुंबई लोकल के कई रूट पर हो रहे ब्लॉक के चलते भारी असुविधा का सामना करना पड़ा रहा है। 24 नवंबर से 8 दिसंबर 2025 तक विभिन्न खंडों में सात बड़े पैमाने पर परिचालन ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं।

आंतरिक समय-सारणी के अनुसार, पनवेल-कलंबोली, बदलापुर, निल्जे-दातिवली और लोनावाला-लोनावाला यार्ड खंडों में ब्लॉक कार्य किए जाएंगे। कुछ ब्लॉक दिसंबर की शुरूआत तक जारी रहेंगे, निल्जे-दातिवली खंड पर 7 और 8 दिसंबर को अतिरिक्त शटडाउन होंगे।

उपनगरीय, हार्बर लाइन और लंबी

दूरी के कॉरिडोर पर ट्रेन सेवाओं के प्रभावित होने की उम्मीद है। विशेष रूप से, लंबी अवधि का लोनावाला यार्ड ब्लॉक 26 से 29 नवंबर के बीच महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा।

26 नवंबर को ट्रेन संख्या 12134 (मैंगलोर-सीएसएमटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस) को कलंबोली में 50 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा। 30 नवंबर और 1 दिसंबर को भी इसी ट्रेन को कलंबोली में 50 मिनट के लिए नियंत्रित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, ट्रेन संख्या 22193 (दौंड-ग्वालियर सुपरफास्ट एक्सप्रेस) को कर्जत-कल्याण-वसई रोड के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा और कल्याण में ठहराव प्रदान किया जाएगा।

मध्य रेलवे पर ब्लॉक की लिस्ट

निल्जे-दातिवली: 26 नवंबर से 2/3 दिसंबर 2025 तक। अतिरिक्त ब्लॉक: 7/8 दिसंबर 2025।

लोनावाला-लोनावाला यार्ड: 26 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक। विशेष रूप से 26-29 नवंबर तक ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में वैश्विक आवाजों ने दो दमदार फिल्मों के जरिए मातृत्व, पहचान और इतिहास जैसे विषयों को नए दृष्टिकोण से परखा

अकिनोला की 'माई फादर्स शैडो' जीवन और राजनीति की कड़वी सच्चाइयों को बेपर्दा करती है

'मदर्स बेबी' गहरे भावों में डूबी कहानी कहती है और मातृत्व के अनेक रंगों को सामने रखती है

भारत के 56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में आज दो बिल्कुल अलग, लेकिन भावनात्मक रूप से गूँजने वाली दुनियाएं एक साथ आईं। फिल्म 'मदर्स बेबी' और 'माई फादर्स शैडो' की टीमों ने शिल्प, स्मृतियों और इस बात पर एक जीवंत चर्चा की कि सिनेमा किस तरह हमारे जीए हुए अनुभवों को अंतरंग रूप में दर्शाता है। इस सत्र में 'मदर्स बेबी' के सिनेमैटोग्राफर रॉबर्ट ओबेरेनर और प्रोडक्शन डिजाइनर जोहान्स सलात के साथ, 'माई फादर्स शैडो' के निर्देशक अकिनोला ओगुनमेड डेविस शामिल हुए। अकिनोला की फिल्म इस समय वैश्विक स्तर पर सुर्खियाँ बटोर रही है। यह यूके की आधिकारिक ऑस्कर एंट्री है और कान्स में शामिल होने वाली पहली नाइजीरियन फिल्म भी है।

एक दिन, लेकिन पूरी ज़िंदगी का एहसासः अकिनोला की सहज फिल्ममेकिंग यात्रा

बातचीत की शुरूआत करते हुए अकिनोला ने बताया कि 'माई फादर्स शैडो' की जड़ें उनके भाई द्वारा लिखी गई एक शुरूआती लघु फिल्म में हैं। 1993 के नाइजीरियाई चुनावों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म उनके बचपन की राजनीतिक तनाव से भरी यादों को प्रतिबिंबित करती है।

अकिनोला ने समझाया कि उनकी रचनात्मक प्रक्रिया का अधिकांश भाग सहज प्रवृत्ति से निर्देशित था। उन्होंने कहा, "सूक्ष्म कहानी पिता और उनके लड़कों की है। वृहद कहानी चुनाव की है, और सब कुछ मिश्रित हो जाता है।" फिल्म एक ही दिन के भीतर आगे बढ़ती है, एक ऐसा चुनाव जिसे अकिनोला मुक्त करने वाला बताते हैं। उन्होंने कहा, "इसने हमें स्वाभाविक रूप से तनाव बनाने की अनुमति दी। और एक ही दिन में सब कुछ होने से, हम निरंतरता से बंधे नहीं थे। हम भावनाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते थे।"

फिल्ममेकर ने शूटिंग के दौरान

आई भावनात्मक और तकनीकी चुनौतियों पर बेझिझक बात की, खासकर बीच वाले सीक्वेंस पर-जहां 16 फिल्म गर्मी और आवाज के बीच संघर्ष करती रही। एक अंतिम संस्कार वाले दृश्य ने तो उन्हें पूरी तरह थका दिया। उन्होंने स्वीकार किया, 'मैं दो दिन बिस्तर पर ही रहा और रोता रहा,' और ऐसे पलों को उन्होंने 'शक्तिशाली फिल्ममेकिंग की गवाही' बताया।

इस दौरान अकिनोला ने दर्शकों को नाइजीरिया की आत्मा की एक गहरी झलक भी दी। उन्होंने देश के राजनीतिक परिदृश्य, भाषाई विविधता और इतिहास की शिक्षा में मौजूद खाईयों का ज़िक्र किया। अंग्रेजी, क्रियोल और स्ट्रीट वर्नैक्युलर-ये सभी उनकी फिल्म में जगह पाते हैं, और अकिनोला के लिए यह भाषाई सहजता नाइजीरिया की सामाजिक-सांस्कृतिक बनावट को दर्शाती है। उनके विचारों ने एक ऐसे देश की जीवंत तस्वीर पेश की, जिसे आज की वैश्विक सिनेमाई इतिहास में उतनी जगह नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए।

'मदर्स बेबी' में मातृत्व की अनकही, बेचैन कर देने वाली परतें

'मदर्स बेबी' की टीम के लिए फिल्म की भावनात्मक धुरी एक ऐसी महिला की यात्रा है, जो प्रसव के बाद आने वाले उलझन भरे दौर से गुजर रही है। सिनेमैटोग्राफर रॉबर्ट ओबर्राइनर ने बताया कि उनका पहला उद्देश्य था 'उन असली बदलावों को दिखाना, जिनसे एक महिला प्रसव के दौरान गुजरती है।'

फिल्म जूलिया की कहानी का अनुसरण करती है जो एक मशहूर ऑर्केस्ट्रा कंडक्टर है और जिसकी बच्ची एक प्रयोगात्मक प्रजनन तकनीक से पैदा होती हैऔर जो उसके लिए किसी अनजानी-सी महसूस होती है। रॉबर्ट के अनुसार उनकी विजुअल अप्रोच इस तरह बनाई गई कि दर्शक 'उसके साथ चल सकें,' और उसके अस्थिर मनोवैज्ञानिक संसार में प्रवेश कर सकें।

प्रोडक्शन डिजाइनर जोहान्स सलात ने कहानी के विषय के महत्व पर जोर दियाः उन्होंने कहा, "यह एक ऐसा विषय है जो महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है," और फिल्म को एक सार्वभौमिक कथा बताया जो "कहीं भी हो सकती है।" उनके लिए, फिल्म की दुनिया बनाना चुनौतीपूर्ण और सहज दोनों था, और उन्होंने जिस स्थान को अंततः चुना, वह "कहानी से संबंधित महसूस होता था।"

फिल्म का तनाव धीरे-धीरे बढ़ता है। दूसरे लोग बच्चे को जैसे देखते हैं और मां जैसे महसूस करती है, दोनों के बीच के हल्के लेकिन गहरे फर्क में। रॉबर्ट ने कहा, 'यही वह जगह है जहां सस्पेंस शुरू होता है।' उन्होंने फिल्म के ओपन-एंडेड क्लाइमैक्स पर भी बात की, जिसे उन्होंने एक ऐसी पहेली बताया जिसे दर्शकों को खुद सुलझाना होगा।

राह बदलने की कलाः फिल्ममेकिंग एक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया

दोनों टीमों ने फिल्म निर्माण को एक लगातार बदलते रहने वाली प्रक्रिया बताया। रॉबर्ट ने कहा कि 'मदर्स बेबी' में कई बार ऐसा हुआ कि फिल्म के आगे के हिस्से के लिए सोचे गए शॉट्स शुरूआत में इस्तेमाल हो गए। उन्होंने स्वीकार किया कि बतौर सिनेमैटोग्राफर वह ऐसे बदलावों का पहले विरोध करते थे, लेकिन निर्देशक ने उन्हें याद दिलाया,'भावना पहले आती है, निरंतरता बाद में।'

जोहान्स ने भी सहमति जताई और कहा कि फिल्म बनाना अक्सर आपको वहां पहुंचा देता है, जहां जाने का आपने सोचा भी नहीं होता। उन्होंने कहा, 'कई बार आप उस जगह पहुंचते हैं जो आपकी कल्पना से कहीं बेहतर होती है।' अकिनोला ने भी यही विचार दोहराते हुए कहा, 'आप फिल्म को तीन बार बनाते हैं- लिखते समय, शूट करते समय और एडिटिंग में।' उनके अनुसार रास्ते में होने वाले बदलाव भटकाव नहीं बल्कि खोज होते हैं।

सत्र के समापन तक एक जीवंत अनुभवों का संगम सामने था-दो फिल्में, दो बिलकुल अलग दुनिया से निकली हुईं, लेकिन जुड़ी हुईं अपने सहज रचनात्मक प्रवाह, कलात्मक सच्चाई और कहानी कहने की उस अनिश्चित, जंगली यात्रा पर अटूट विश्वास से जुड़ी हुई थीं।

1952 में स्थापित, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) दक्षिण एशिया के सिनेमा का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सिनेमा महोत्सव रहा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) और गोवा एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह महोत्सव एक वैश्विक सिनेमाई शक्ति केंद्र बन चुका है-जहां बहाल किए गए क्लासिक्स का संगम साहसिक प्रयोगों से होता है और जहां दिग्गज उस्तादों के साथ नए फिल्मकार भी एक ही मंच साझा करते हैं। जो चीज इफ्फी को खास बनाता है, वह है इसका जीवंत मिश्रण- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रदर्शन, मास्टरक्लास, श्रद्धांजलि, और जोश से लबरेज वेव्स फिल्म बाजार, जहाँ विचार, सौदे और सहयोग उड़ान भरते हैं। गोवा के मनमोहक समुद्री तटों की पृष्ठभूमि में 20 से 28 नवंबर तक आयोजित होने वाला 56वां संस्करण भाषाओं, शैलियों, नवाचारों और आवाजों का एक शानदार संगम पेश करने का वादा करता है जो वैश्विक मंच पर भारत की रचनात्मक प्रतिभा का एक डूबो देने वाला उत्सव है।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में 6वीं डीआरएम चैंपियनशिप का शुभारंभ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में अहमदाबाद मंडल स्पोर्ट्स एसोसिएशन (ADSA) द्वारा आयोजित 6वीं डीआरएम चैंपियनशिप का शुभारंभ 25 नवंबर 2025 को साबरमती स्थित स्पोर्ट्स ग्राउंड में किया गया। इस आयोजन की शुरूआत एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश द्वारा की गई।

वर्ष 2025-26 की इस चैंपियनशिप में 10 खेल और कुल 38 इवेंट शामिल हैं। अहमदाबाद मंडल के 16 विभागों के लगभग 1100-1200 कर्मचारी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जो इसे पश्चिम रेलवे की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में से एक बनाता है।

प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज और एथलेटिक्स सहित कई लोकप्रिय खेल शामिल हैं। कुल 16 टीमें विभिन्न विभागों, कारखाने, साबरमती स्टोर तथा गांधीधाम एरिया मैनेजर टीम से भाग ले रही हैं।

डीआरएम चैंपियनशिप का उद्देश्य खेल भावना को प्रोत्साहित करना, कर्मचारियों में टीमवर्क बढ़ाना तथा शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। यह आयोजन कर्मचारियों को खेलों के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री 26 नवंबर को सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया सुविधा केंद्र का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 26 नवंबर को सुबह 10 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जीएमआर एयरोस्पेस और औद्योगिक पार्क - एसईजेड, राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, हैदराबाद में स्थित सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) सुविधा केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

एसएईएसआई, एलईएपी एयरबस ए320एनईओ और बोइंग 737 एमएएक्स विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले एलईएपी (लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन) इंजनों के लिए सफ्रान की समर्पित रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा है। इस सुविधा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी वैश्विक विमान इंजन एमआरओ सुविधाओं में से एक है, बल्कि ये भी पहली बार है कि किसी वैश्विक इंजन ओईएम (मूल उपकरण निमार्ता) ने भारत में एक एमआरओ ऑपरेशन सुविधा केंद्र स्थापित किया है।

जीएमआर एयरोस्पेस एंड इंडस्ट्रियल पार्क - एसईजेड के भीतर 45,000 वर्ग मीटर में फैला यह अत्याधुनिक सुविधा केंद्र लगभग 1,300 करोड़ रुपये के शुरूआती निवेश से विकसित किया गया है। सालाना 300 लीप इंजनों की सर्विसिंग के लिए डिजाइन किया गया यह एसएईएसआई सुविधा केंद्र 2035 तक पूरी तरह से ऑपरेशनल क्षमता प्राप्त कर लेने के बाद 1,000 से ज्यादा उच्च कुशल भारतीय तकनीशियनों और अभियन्ताओं को रोजगार देगा। इस सुविधा केंद्र में विश्वस्तरीय इंजन रखरखाव और मरम्मत सेवाएं प्रदान करने के लिए उन्नत प्रक्रिया उपकरण होंगे।

ये एमआरओ सुविधा विमानन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम होगी। एमआरओ में स्वदेशी क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करेगा, उच्च-मूल्य वाले रोजगार सृजित करेगा, आपूर्ति-श्रृंखला की मजबूती को और सुदृढ़ करेगा और भारत को एक वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। केंद्र सरकार इस क्षेत्र के तीव्र विकास को समर्थन देने हेतु एक मजबूत एमआरओ इको-सिस्टम के निर्माण के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। सरकार की प्रमुख नीतिगत पहलों - जिनमें 2024 में जीएसटी सुधार, एमआरओ दिशानिर्देश 2021 और राष्ट्रीय नागर विमानन नीति 2016 शामिल हैं - ने कर संरचनाओं को युक्तिसंगत बनाकर और रॉयल्टी बोझ को कम करके एमआरओ प्रदाताओं के लिए ऑपरेशनों को सरल बना दिया है।

देशव्यापी आउटरीच के एक भाग के रूप में, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज मुंबई उद्योग जगत के साथ बातचीत की

(जीएनएस)।

देशव्यापी पहुंच के लिए विभिन्न शहरों में बैठकों की श्रृंखला के एक हिस्से के रूप में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज मुंबई उद्योग के साथ दो घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। इस बैठक में उन्होंने इस वर्ष 3 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष को निजी क्षेत्र द्वारा संचालित अनुसंधान एवं विकास, आईपी निर्माण और सूर्योदय प्रौद्योगिकियों में व्यावसायीकरण के लिए एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में रेखांकित किया।

मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में आरडीआई फंड के पहले आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में भारत का आर्थिक उत्थान "विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार-आधारित विकास" से प्रेरित होगा। उन्होंने भारतीय उद्योग, निवेशकों और स्टार्ट-अप्स से "महत्वाकांक्षा, जोखिम उठाने की क्षमता और दीर्घकालिक

प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने" का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत डीप-टेक नवाचार में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

इस कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (आरडीआई) कोष, एक विशेष प्रयोजन कोष, और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) के अंतर्गत स्वतंत्र व्यावसायिक इकाई द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में निधि प्रबंधक, उद्योग जगत के दिग्गज, निवेशक, स्टार्ट-अप, शोधकर्ता और कई अन्य हितधारक एक साथ आए। इस सत्र में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के आरडीआई प्रकोष्ठ की प्रमुख डॉ. ज्योति शर्मा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सचिव प्रो. अभय करंदीकर और एएनआरएफ के संयुक्त सचिव श्री निशांत वर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उस व्यवस्था के बारे में बताया जिसके माध्यम से सरकार प्रधानमंत्री द्वारा इस ऐतिहासिक कोष की औपचारिक शुरूआत के बाद इसे क्रियान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई, 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस साहसिक और दूरदर्शी ₹1 लाख करोड़ के कोष की स्थापना को मंजूरी देना, एक मजबूत, निजी क्षेत्र-आधारित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के सरकार के संकल्प को दर्शाता है। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि बजट 2025-26 में इस कोष के प्रारंभिक कार्यान्वयन के लिए ₹20,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास उच्च-प्रभाव अनुसंधान एवं विकास, गहन तकनीकी उत्पाद विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में भारत की क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक हैं।

विकास आयुक्त (हथकरघा) ने आईएफएफआई 2025 में फैशन शो 'साड़ीज इन मोशनः 70एमएम ऑन रनवे' प्रस्तुत किया

(जीएनएस)।

वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) ने यहां जारी भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), 2025 के प्रतिष्ठित रेड कार्पेट पर वस्त्र, संस्कृति और सिनेमा को साथ लाकर यहां उपस्थित प्रतिनिधियों को अपनी तरह का पहला अनुभव कराया। फैशन शो 'हैंडलूम साड़ीज इन मोशनः 70एमएम ऑन रनवे' भारतीय हथकरघा को समर्पित एक सामाजिक उद्यम था।

दो बार प्रदर्शित की गई इस 15 मिनट की प्रस्तुति ने दर्शकों को भारतीय सिनेमा के सफर से रूबरू कराया और एक-एक साड़ी के माध्यम से इसके इतिहास को दिखाया। हर दृश्य को अलग-अलग सिनेमाई दौर के संगीत पर तैयार किया गया था और रनवे पुराने समय की यादों, कला कौशल और साड़ी की कालातीत सुंदरता का एक चलता-फिरता उत्सव बन गया। इस कार्यक्रम में आईएफएफआई के प्रतिनिधियों और फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें भारत के सबसे प्रतिष्ठित परिधान साड़ी के जरिए सिनेमा के विकास को फिर से दिखाया गया। 1940 के दशक की लहराती साड़ियों के अंदाज से लेकर 2020 के दशक के आधुनिक, प्रयोगधर्मी परिधान तक, साड़ियों के इन अलग अलग अंदाजों, उनसे जुड़े विचारों और यादों से रेड कार्पेट जीवंत हो उठा और ये दृश्य छह गज की हैंडलूम विरासत के माध्यम से रचे गए। हर लहराती साड़ी और उसकी प्लीट भारतीय सिनेमा के विकास को दिखाया, जो खूबसूरत नायिकाओं के दौर, 70 के दशक की विद्रोही नायिकाओं के दौर, 90 के दशक की रोमांटिक तथा आज के समय के ग्लैमर के दौर में वापस ले गई।

'देश के विभिन्न हिस्सों से संग्रहित 40 से अधिक हैंडलूम साड़ियों को इस फैशन शो में प्रदर्शित किया गया, जैसे छत्तीसगढ़ की टसर सिल्क, जम्मू-कश्मीर की इकट पश्मीना साड़ी, उत्तर प्रदेश की बनारसी बुटीदार साड़ी और मुबारकपुर लच्छा बुटा साड़ी, मध्य प्रदेश की चंदेरी, छत्तीसगढ़ की गीचा सिल्क, आंध्र प्रदेश की वेंकटागिरी साड़ी और केरल की कुथम्पुल्ली साड़ी।

"पूरे समाज के लाभ के लिए सम्पूर्ण सरकारी दृष्टिकोण" के अंतर्गत संयुक्त स्वास्थ्य अनुसंधान रोडमैप तैयार करने के लिए उच्च-स्तरीय विचार-मंथन बैठक आयोजित की

(जीएनएस)।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने आज वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय विचार-मंथन बैठक आयोजित की। इस बैठक का उद्देश्य चल रहे सहयोग को मजबूत करना और संयुक्त स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एक दूरदर्शी, एकीकृत रोडमैप की रूपरेखा तैयार करना था।

बैठक की सह-अध्यक्षता वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ. राजीव बहल ने की। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की कई प्रयोगशालाओं के निदेशकों के साथ-साथ दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस चर्चा में भाग लिया।

दोनों संगठनों ने विचार-विमर्श के दौरान, प्रमुख चल रही सहयोगी पहलों की प्रगति की समीक्षा की। इसमें वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद अणुओं का नैदानिक परीक्षण, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद प्रयोगशालाओं में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद समर्थित उन्नत अनुसंधान केंद्रों की स्थिति और बड़ी परियोजनाओं का कार्यान्वयन शामिल है। शहरों, अस्पतालों और समुदायों में विभिन्न रोगजनकों के लिए अपशिष्ट जल निगरानी को जारी रखने और विस्तारित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने पर सहमति बनी।

दोनों पक्षों ने व्यवस्थित नैदानिक परीक्षणों और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की बड़े-पशु विषाक्तता परीक्षण सुविधाओं के उपयोग सहित नवीन अणुओं और दवाओं के विकास में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की संबंधित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार@150 एकता मार्च की राष्ट्रीय पदयात्रा 26 नवंबर को आरम्भ होगी

गुजरात और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य नेता राष्ट्रीय पदयात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे

'माईभारत' के स्वयंसेवक वल्लभ विद्यानगर से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक होने वाले 11 दिन के एकता मार्च में युवाओं की भागीदारी की अगुआई करेंगे

150 विषयगत पड़ाव, ग्राम सभाएँ, स्वच्छता अभियान और स्वदेशी पहलकदमियां सरदार पटेल की विरासत को आज की नागरिक ज़िम्मेदारी से जोड़ेंगी

(जीएनएस)।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 'माईभारत' के जरिए, 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर शास्त्री मैदान, वल्लभ विद्यानगर (गुजरात) से सरदार@150 एकता मार्च की राष्ट्रीय पदयात्रा आरम्भ करेगा। पिछले कई हफ्तों में पूरे देश में निर्मित गति को आगे बढ़ाते हुए, यह राष्ट्रीय मार्च प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित एक व्यापक एकता-संचालित आंदोलन की परिणति का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रीय पदयात्रा को कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में हरी झंडी दिखाई जाएगी जिनमें गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमूबेन बांभणिया, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, भाजपा गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा, गुजरात सरकार के खाद्य, नागरिक और उपभोक्ता मामले मंत्री श्री रमनभाई सोलंकी, गुजरात सरकार के वित्त राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियाँ राज्य मंत्री डॉ. जयरामभाई गामित, गुजरात विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हर्षदभाई पटेल, सरदार पटेल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन पी. पटेल, पैरालंपिक पदक विजेता सपना व्यास और मानसी जोशी, अहिरी शिवोहम और पूर्व क्रिकेटर श्री राकेश चौहान शामिल हैं। इनके साथ ही 'माई भारत' के स्वयंसेवक और हजारों उत्साही युवा भी भागीदारी करेंगे।

देश भर में इस अभियान को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया, पूरे देश में पहले से हो रही गतिविधियों से उत्पन्न हुई है। यह अभियान 24 नवंबर तक, 780 ज़िलों में से 613 ज़िलों में पहुँच चुका है और ज़िला और विधानसभा के स्तर पर 1,422 पदयात्राएँ पूरी कर चुका है, जो 431 लोकसभा सीटों तक फैली हुई हैं। ये पदयात्राएँ अब तक कुल मिलाकर 7,200 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर चुकी हैं, इनकी दूरी 2 से 15 किलोमीटर तक की है। इनको हर इलाके के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखकर अंतिम रूप दिया गया है, जो एकता, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक हैं। इन पदयात्राओं में 14.3 लाख से ज्यादा नागरिकों ने हिस्सा लिया। यह युवाओं की जबरदस्त भागीदारी को दिखाता है और देश भर में राष्ट्रीय पदयात्रा का मंच तैयार करता है।

राष्ट्रीय पदयात्रा 26 नवंबर को सुबह 9:00 बजे गणमान्य व्यक्तियों द्वारा करमसद में सरदार पटेल के पैतृक निवास पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ शुरू होगी। इसके बाद वल्लभ विद्यानगर के शास्त्री मैदान में सरदार सभा होगी जहाँ नेता, विद्वान और युवा प्रतिनिधि सरदार पटेल की प्रासंगिकता के बारे में बताएँगे। औपचारिक कार्यवाही दोपहर 12 बजे पदयात्रा को हरी झंडी दिखाने के साथ समाप्त होगी, यह केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक लगभग 180 किलोमीटर की 11-दिवसीय यात्रा की शुरूआत होगी।

पहले दिन, पदयात्रा सरदार पटेल विश्वविद्यालय, शहीद चौक, भाईकाका सर्कल, टाउन हॉल सर्कल, बोरसद चौकड़ी, जितोदिया रोड और अंधारिया चौकड़ी से होकर नवली पहुंचेगी। शाम को नवली में पड़ाव होगा। यहाँ पर स्थानीय प्रदर्शन, नृत्य, लोक कलाएँ और सामुदायिक भागीदारी होगी, जो सरदार पटेल के मूल्यों और गुजरात की सांस्कृतिक पहचान के बीच एक जीवंत सेतु का निर्माण करेगी।

पूरे मार्ग पर, 150 विषयगत पड़ाव होंगे जहाँ 'माई भारत' स्वयंसेवकों के नेतृत्व में प्रदर्शनियाँ, स्थानीय शिल्प कौशल, सरकारी योजनाएँ और पारस्परिक सवांद के सत्र आयोजित किए जाएँगे। दैनिक 'सरदार गाथा' सत्रों में सरदार पटेल के जीवन के प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा, जो ऐतिहासिक चिंतन को समकालीन नागरिक जिम्मेदारी से जोड़ेंगे। ग्राम सभाओं, स्वच्छता अभियानों, 'एक पेड़ माँ के नाम' और अन्य जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी को मजबूत किया जाएगा जिससे पदयात्रा के सेवा और स्वदेशी के सिद्धांतों को बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रतिभागियों को खादी पहनने और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मार्ग में स्थापित स्वदेशी स्टॉल, महिला स्वयं सहायता समूह और युवा नवोन्मेषी आत्मनिर्भर भारत की भावना को बढ़ावा देंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह पदयात्रा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करते हुए इतिहास का सम्मान भी करती है।

पदयात्रा 6 दिसंबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर एक राष्ट्रीय समारोह के साथ समाप्त होगी, जहां पदयात्री सामूहिक रूप से सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जिनके नेतृत्व में 562 रियासतों को एकीकृत करके आधुनिक भारत की नींव रखी गई थी।

राष्ट्रीय पदयात्रा का विवरण, जिसमें मार्ग मानचित्र, कार्यक्रम और स्वयंसेवक की जानकारी 'माई भारत' पोर्टल पर सरदार@150 एकता मार्च के तहत उपलब्ध है। यह पदयात्रा देश भर के युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनकर देश को जोड़ने और एक भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के आदर्शों को आगे बढ़ाने में सहायक होगी।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, सकल घरेलू उत्पाद और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार संशोधन पर प्री-रिलीज परामर्श कार्यशाला 26 नवंबर 2025 को मुंबई में होगी

(जीएनएस)।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय 26 नवंबर 2025 को मुंबई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार संशोधन पर पहली प्री-रिलीज परामर्श कार्यशाला का आयोजन कर रहा है।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी के मौजूदा आधार संशोधन में प्रस्तावित पद्धतिगत और संरचनात्मक परिवर्तनों को साझा करना है ताकि प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त किए जा सकें। कार्यशाला में इन सूचकांकों के संकलन में उपयोग किए जाने वाले नए डेटा स्रोतों और प्रस्तावित प्रौद्योगिकी पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

इस कार्यशाला में विश्व बैंक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों व भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, प्रख्यात अर्थशास्त्री, वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ, विषय-विशेषज्ञ, मुख्य सांख्यिकी के उपयोगकर्ता और केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न प्रतिभागी शामिल होंगे। इस विविध समूह की भागीदारी से चचाओं को समृद्ध करने और उपयोगकताओं को संशोधित श्रृंखला में बदलावों से परिचित कराए जाने की उम्मीद है।

दिन की शुरूआत एक उद्घाटन सत्र के साथ होगी जिसमें ईएसी-पीएम के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव, रिजर्व बैंक की उप-गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग और महानिदेशक (केंद्रीय सांख्यिकी) एनके संतोषी शामिल होंगे। इसके बाद सकल घरेलू उत्पाद, सीपीआई और आईआईपी पर तकनीकी सत्रों के साथ खुले मंच पर चचाएं होंगी। इन सूचकांकों के आधार पर संशोधन में प्रस्तावित परिवर्तनों पर संक्षिप्त अवधारणा नोट्स वाली एक पुस्तिका भी प्रतिभागियों के साथ साझा की जाएगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य पारदर्शिता को मजबूत करना, सूचित संवाद को बढ़ावा देना और जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी की संशोधित श्रृंखला जारी करने से पहले व्यापक परामर्श सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय इस महत्वपूर्ण परामर्श प्रक्रिया में सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी और सुझावों का स्वागत करता है।

आईएफएफआई 2025 में महान अभिनेता श्री धर्मेंद्र को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

वे प्रतिष्ठित अभिनेता और अद्वितीय इंसान थेः राहुल रवैल

भारतीय सिनेमा अपने सबसे महान और सबसे प्रिय तथा प्रतिष्ठित अभिनेताओं में से एक श्री धर्मेंद्र के निधन पर शोकाकुल है। सोमवार, 24 सितंबर, 2025 को उनका निधन हो गया। संपूर्ण राष्ट्र के साथ आज 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में भी उनके दिवंगत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया गया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जाने-माने फिल्म निमार्ता राहुल रवैल ने अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि में रुपहले पर्दे के सबसे चमकते सितारों में से एक श्री धर्मेंद्र के साथ गुजारे गए समय की अपनी अनमोल यादें ताजा कीं। उन्होंने सबसे पहले सभी से स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र के परिवार के असहनीय दुःख को साझा करते हुए उनके निराले जीवन को याद करने का आग्रह किया। श्री रवैल ने कहा, "वह एक प्रतिष्ठित अभिनेता और अद्भुत इंसान थे।"

राज कपूर की फिल्म "मेरा नाम जोकर" में सहायक निर्देशक के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए राहुल रवैल ने बताया कि कैसे स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र ने ट्रैपीज कलाकार महेंद्र कुमार की भूमिका बेजोड़ समर्पण के साथ निभाई थी। उन्होंने बताया कि कैसे वे एक महीने तक हर रोज शाम की फ्लाइट से दिल्ली आते थे, सुबह 5 बजे तक शूटिंग करते थे और फिर "आदमी और इंसान" की शूटिंग जारी रखने के लिए मुंबई लौट जाते थे—

यह एक बेहद थकाऊ शेड्यूल था, लेकिन उसका उन्होंने हमेशा पालन किया।

राहुल रवैल ने बेताब (1983) की शूटिंग के दिनों को भी याद किया जो स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल की पहली फिल्म थी। कश्मीर में फिल्मांकन के दौरान स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र की एक झलक पाने के लिए भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ती थी। फिल्म रिलीज होने के बाद, उन्होंने बांद्रा पश्चिम स्थित गेयटी सिनेमा में कई दिनों तक हर शाम अपने बेटे की पहली फिल्म देखी और उसके बाद निर्देशक राहुल रवैल के घर जाकर ठीक उसी उत्साह के साथ फिल्म पर चर्चा करते थे जैसे किसी ने उसे पहली बार देखा हो। रवैल ने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि महान अभिनेता धर्मेंद्र की संतानें उनकी 'शानदार विरासत' को आगे बढ़ा रही हैं।

उन्होंने भावुक होकर कहा, "धरम जी एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके जीवन की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने लोगों को बहुत खुशी दी।" उन्होंने दिल्ली के एक पुलिस अधिकारी का किस्सा सुनाया जो स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र से मिलने और उनके पैर छूने के लिए तरस रहा था। जब उसे पता चला कि धर्मेंद्र जी का निधन हो गया है तो वह अधिकारी बहुत दुखी हुआ। उसने श्री रवैल को फोन किया और सनी देओल से मिलकर अपनी संवेदना व्यक्त करने की इच्छा जताई। श्री रवैल ने जोर देकर कहा, "यह धरम जी की ताकत है।"

श्री रवैल ने स्वर्गीय श्री धर्मेंद्र को पितातुल्य बताया जिन्होंने उनके पूरे करियर को आगे बढ़ाने में सहायता की और हर कदम पर समर्थन किया। उन्होंने उन्हें एक अद्भुत निमार्ता भी बताया।

अपने समापन भाषण में उन्होंने कहा, "हमने एक महान इंसान खो दिया है। हम भाग्यशाली हैं कि ऐसे दौर में रहे जब धर्मेंद्र जी जैसे दिग्गज कलाकार काम कर रहे थे।" उन्होंने इस सदाबहार सितारे के सम्मान में विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित करने के लिए आईएफएफआई के आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया।

महान व्यक्तित्व, प्रिय कलाकार और बेजोड़ गर्मजोशी वाले व्यक्ति - स्वर्गीय श्री धर्मेन्द्र की विरासत सदैव भारतीय सिनेमा के हृदय में अंकित रहेगी।

संघ लोक सेवा आयोग शताब्दी वर्ष समारोह के उपलक्ष्य में 26-27 नवंबर 2025 को 'शताब्दी सम्मेलन' का आयोजन करेगा

(जीएनएस)।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) अपने शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत दो दिवसीय 'शताब्दी सम्मेलन' का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन 26 और 27 नवंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, और माननीय राज्य मंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन) डॉ. जितेंद्र सिंह अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मुख्य अतिथि होंगे।

कार्यक्रम यूपीएससी और विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों के वर्तमान और पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और भारत सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्तियों को मंच पर लाएगा। दो दिवसीय शताब्दी सम्मेलन में 26 नवंबर 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर देश में लोक सेवा आयोगों की संवैधानिक विरासत के स्मरण हेतु एक 'चिंतन' सम्मेलन भी शामिल होगा।

उद्घाटन सत्र में गणमान्य व्यक्तियों का संबोधन होगा , जिसमें माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला का मुख्य भाषण, माननीय राज्य मंत्री (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन) डॉ. जितेंद्र सिंह का मंत्रिस्तरीय संबोधन तथा यूपीएससी के माननीय अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार का संबोधन शामिल होगा।

यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में यूपीएससी और राज्य पीएससी की भूमिका पर चिंतन और संवाद के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, तथा सार्वजनिक भर्ती में सुधार, समावेशिता और तकनीकी परिवर्तन पर चर्चा को बढ़ावा देगा।